कुलपति ने एसईई डाटा लीक से पल्ला झाड़ा

कमेटी ने जांच करने में जताई असमर्थता

लखनऊ (ब्यूरो)। इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में दाखिले के लिए हुई राज्य प्रवेश परीक्षा (एसईई) के डाटा लीक मामले में कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने पल्ला झाड़ लिया है। उनका कहना है कि उन्होंने इस प्रकरण की जांच करवाई लेकिन कुछ भी नहीं मि ला । के ए न आ ई टी सुल्तानपुर के निदेशक प्रो. रघुराज सिंह की अध्यक्षता में गठित जांच कमेटी ने उन्हें लिखकर दे दिया है कि डाटा उपलब्ध न होने के कारण वह जांच नहीं कर सकते। ऐसे में अब यह मामला हमने शासन को रेफर कर दिया है। अब वही इस पर कोई फैसला करेगा।

अब शासन ही करेगा कोई फैसला : प्रो. ओंकार सिंह

प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि एसईई का डाटा लीक होने की शिकायत मिलने पर हमने जांच कमेटी बनाई थी। अब इस प्रकरण पर शासन अपने स्तर से जो कार्रवाई चाहेगा, वह करेगा। यूनिवर्सिटी प्रशासन कुछ नहीं कर सकता क्योंकि जांच कमेटी को डाटा नहीं मिल पाया। एसईई की समन्वय टीम और ऑनलाइन कंपनी श्रीट्रान दोनों ने एसईई का डाटा न होने की बात कही है। ऐसे में यूनिवर्सिटी के स्तर पर जो जांच बैठाई गई, उस कमेटी ने असमर्थता जता दी है।

डाटा नहीं तो कैसे दें मोबाइल नंबर

एसईई की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब मीडिया ने मेधावियों के मोबाइल नंबर मांगे तो यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने बताया कि डाटा नहीं है तो वे किस तरह मोबाइल नंबर दें। इस पर मीडिया ने हैरानी जताई। कुलपति ने कहा, आप कोऑर्डिनेटर प्रो. जेपी सैनी से मोबाइल नंबर मांगिए। हमारे पास डाटा नहीं है तो मोबाइल नंबर कैसे दें।

गलत सवाल पर स्टूडेंट्स को नहीं होगा नुकसान

यूपीटीयू की सम सेमेस्टर परीक्षा में बीटेक में गलत सवाल पूछने पर कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा, उन्होंने यह मामला इलेक्ट्रॉनिक्स के एक प्रोफेसर को भेज दिया है। अगर सवाल गलत पूछे गए हैं तो फिर स्टूडेंट्स को इसका नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा। उन्हें इन सवालों के नंबर दिए जाएंगे। कहा, ईमेल से कॉलेजों को प्रश्नपत्र भेजना और फिर वहां प्रिंटआउट करवाकर इसे परीक्षार्थियों को बांटना भी गलत है।

काउंसिलिंग में अभ्यर्थियों को मिलेगी राहत

जागरण संवाददाता, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा के परिणाम की घोषणा के दौरान यूपीटीयू के कुलपति प्रोफेसर ओंकार सिंह ने काउंसिलिंग के दौरान आ रही कई समस्याओं से छात्रों को मुक्ति देने की बात कही। इस दौरान उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों की अपेक्षा हर चरण की काउंसिलिंग के लिए बार-बार शुल्क जमा करने की प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है।

नए नियम के तहत इस वर्ष काउंसिलिंग के लिए पंजीकरण फीस केवल एक बार जमा कराई जाएगी। जमा किए गए शुल्क में ही छात्र सभी चरणों की काउंसिलिंग में शामिल हो सकेंगे। साथ ही इस वर्ष पंजीकरण शुल्क आनलाइन जमा कराए जाएंगे। यूपीटीयू ने इस वर्ष जेईई मेन की काउंसिलिंग यूपी एसईई की काउंसिलिंग से पूर्व कराई जाएगी। इससे जेईई मेन की रिक्त बची सीटों को यूपी एसईई-2015 में सम्मिलित किया जा सकेगा। नए नियम के अनुसार काउंसिलिंग प्रक्रिया के पूर्व ही सभी कॉलेजों में उपलब्ध सीटों का ब्यौरा वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा।

यही नहीं पिछले वर्ष वेरीफिकेशन में आई दिक्कतों के मद्देनजर इस वर्ष अधिक संख्या में वेरीफिकेशन सेंटर बनाए जाएंगे। यूपीटीयू ने प्रवेश प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका के चलते इस वर्ष अभ्यर्थियों के आवेदन भरने के दौरान ही लॉग-इन आइडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। यूपीटीयू ने इस वर्ष काउंसिलिंग के समस्त चरणों की समाप्ति के बाद अंतिम तिथि के पूर्व आनलाइन एक आन द स्पाट काउंसिलिंग की व्यवस्था की गई है। इसके माध्यम से शासकीय संस्थाओं की सभी सीटों को भरने का प्रयास किया जाएगा।

सहूलियत

- यूपीटीयू ने सरल की काउंसिलिंग प्रक्रिया
- केवल एक बार जमा करना होगा पंजीकरण शुल्क

परेशानी से मुक्ति

यूपीटीयू ने स्नातक परीक्षाओं का परिणाम न आने पर विद्यार्थियों के प्रवेश में आने वाली दिक्कतों से निजात दिलाई है। इस वर्ष परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के दौरान जिन अभ्यर्थियों के स्नातक के परिणाम घोषित नहीं हुए होंगे, उन्हें पंजीकरण की अनुमति देने का फैसला किया है। यूपीटीयू अभ्यार्थियों को अंडरटेकिंग के साथ प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन की अनुमति देगा।

उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा 2015 के घोषित परिणाम दिखाते कुलपति ओंकार सिंह व अन्य। छाया : राष्ट्रीय स्वरूप